पाठ - 2
लिबास के अहकाम

الدرس الثاني - هندي
من أحكـام اللبـاس

3. मर्दों के लिए कपड़े को टखनों से नीचे लटकाना हराम है। अबू हुरैरह रज़ियल्लाहु अन्हु की रिवायत है कि अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमायाः

مَا أَسْفَلَ مِنَ الكَعْبَيْنِ مِنَ الإِزَارِ فَفِي النَّارِ

दोनों टखनों से नीचे जो कपड़ा लटकाया जाएगा वह जहन्नम में होगा। (बुखारी 5787)
इस हदीस में कपड़े, पाजामे, पैन्ट और चादर आदि को टखने से नीचे लटकाने की मनाही है। यह केवल उन लोगों के साथ खास नहीं है जो घमंड की वजह से ऐसा करते हैं, जो घमंड की वजह से ऐसा करेगा उसके लिए और ज़्यादा सख्त सज़ा है।
इब्ने उमर रजियल्लाहु अन्हुमा की रिवायत है कि अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमायाः

مَنْ جَرَّ ثَوْبَهُ خُيَلاَءَ لَمْ يَنْظُرِ اللهُ إِلَيْهِ يَوْمَ القِيَامَةِ

''जिसने घमंड में अपने कपड़े को ज़मीन पर घसीटा, क़ियामत के दिन अल्लाह तआला उसकी तरफ नजरे रहमत से नहीं देखेगा। (मुत्तफ़क़ अलैह 2085, 3665)
4. इतने बारीक कपड़े पहनना जायज़ नहीं जिनसे सतर छुप न सकता हो और न इतना तंग व चुस्त कपड़े पहनना जायज़ है जो अंगों को ज़ाहिर कर दें। यह मनाही मर्दों व औरतों दोनों के लिए है।
लिबास व पोशाक में औरतों के लिए मर्दों की समानता और मर्दों के लिए औरतों की समानता अपनाना हराम है। इब्ने अब्बास रजियल्लाहु अन्हुमा की रिवायत है कि अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फरमाया

لَعَنَ رَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ الْمُتَشَبِّهِينَ مِنَ الرِّجَالِ بِالنِّسَاءِ، وَالْمُتَشَبِّهَاتِ مِنَ النِّسَاءِ بِالرِّجَالِ

औरतों को समानता अख्तियार करने वाले मर्दों और मर्दों की समानता अख्तियार करने वाली औरतों पर लानत की है। (सही बुखारी 5885)
6. लिबास में काफ़िरों की समानता अख्तियार करना भी हराम है। एक मुसलमान के लिए उन लिबासों का पहनना जायज़ नहीं है जो काफ़िरों के लिए खास हैं। अब्दुल्लाह बिन अम्र बिन आस रजियल्लाहु अन्हु की रिवायत है कि अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने मेरे जिस्म पर ज़र्द रंग के दो कपड़े देखे तो आपने फ़रमायाः यह कुफ़्फ़ार के कपड़े है इन्हें इस्तेमाल न करो। (मुस्लिम 2077)